

LINOTYPE

# Oriental Faces

*On the following pages are showings  
of Arabic, Armenian, Syriac,  
Bengali, Gujarati, Tamil,  
and Devanagari*

TRADE **LINOTYPE** MARK

# Arabic and Kindred Characters

[NUMERICALLY ARRANGED]

1 ء	21 ج	41 م	61 »	81 خ	101 ز	121 م	141 هـ
2 ا	22 ح	42 هـ	62 و	82 غ	102 ر	122 م	142 ط
3 آ	23 ض	43 كه	63 )	83 ض	103 ث	123 ن <i>h.a.</i>	143 ع
4 ف	24 ص	44 ك	64 ق	84 ص	104 د	124 ن <i>l.a.</i>	144 نخب
5 ذ	25 ث	45 En Sp.	65 ة	85 ف	105 ض	125 ع	145 ح
6 ز	26 ك	46 س	66 ت	86 ف	106 ش	126 غ	146 ث
7 س	27 كا	47 ظ	67 ذ	87 لي	107 ب	127 ر	147 ح
8 ن	28 ب	48 ض	68 ت	88 لي	108 م	128 ح	148 ت
9 ة	29 ك	49 ظ	69 ث	89 لي	109 ش	129 ط	149 ا
10 هـ	30 لا	50 ط	70 ل	90 لي	110 س	130 ح	150 ب
11 م	31 ء	51 ح	71 هـ	91 «	111 ط	131 ز <i>h.a.</i>	151 م
12 هـ	32 ا	52 ح	72 ة	92 و	112 نخب	132 ز <i>l.a.</i>	152 ا
13 ك	33 آ	53 ض	73 هـ	93 (	113 غ	133 ص	153 ي
14 كه	34 ف	54 ص	74 د	94 ق	114 ع	134 ذ	154 ي
15 تير	35 ب	55 ش	75 نه	95 ث	115 غ	135 فم	155 ء
16 س	36 هـ	56 س	76 ش	96 ء	116 ع	136 ء	156 ي
17 ط	37 ش	57 كا	77 ا	97 نخب	117 ق	137 ي	157 ذ
18 ص	38 هـ	58 ت	78 م	98 ج	118 ق	138 ي	158 ن
19 ظ	39 ال	59 لله	79 تي	99 ل	119 ظ	139 ي	159 ن
20 ط	40 ل	60 في	80 تي	100 ج	120 —	140 ي	160 ع

161	h.a.	ر	184	209	علی	أ	234	258	چ	282	:	331		370	ط
162	l.a.	ر	185	210	آ	یت	235	259	ژ	283	;	332	مک	371	هم
163		ض	186	211		ث	236	260	چ	284	ک	333	ه	372	الله
164		ذ	187	212	تی	ف	237	261	ل	285	*	334	و	373	ید
165		قف	188	213	ئی	بی	238	262	لا	286	س	335	ب	374	بد
166		غ	189	214	ی	ی	239	263	ا	287	س	336	ف	375	یا
167		نج	190	215	نی	ئ	240	264	لا	288	ک	337	فی	376	یا
168		لا	191	216	نجه	بن	241	265	-	290	غ	338	ا	377	یا
169		نج	192	217	کم	ج	242	266	=	291	ش	339	ق	378	لا
170		ل	193	218	-	ء	243	267	ئ	292	ث	340	ق	379	لا
171		۹	194	219	أ	۲	244	268	گ	293	ث	341	پ	380	س
172		ل	195	222	تیم	۲	245	269	ک	294	غ	342	و	381	س
173		۸	196	223	تن	۴	246	270	ه	295	ش	343	مک	382	پ
174		شیم	197	224	تیا	۲	247	271	ه	296	ک	344	*	383	:
175		۷	198	225	نجا	۴	248	272	و	297	ک	345	,	384	تی
176		شیم	201	226	چ	-	249	273	و	298	.....	348	.....	385	ک
177		۶	202	227	آ	ئ	250	274	پ	299	..	363	ط	386	تی
178			203	228	نی	Em Sp.	251	275	چ	314	آ	364	ط	387	غم
179		۰	204	229	ین	شم	252	276	پ	320	ک	365	ط	388	نی
180		نیا	205	230	نز	ژ	253	277	چ	323	*	366	ط	389	نیا
181		?	206	231	نجا	پ	254	279	ژ	328		367	ط	390	,
182		!	207	232	یز	پ	255	280	ژ	329		368	ط	391	.
183		۶	208	233	یز	پ	256	281	*	330		369	ط	392	..

393	لہ	411	ی	432	° sup.	457	آ	455	p	511	k	526	z	346	'
395	ك	412	ب	433	لہ	355	A	453	t	512	l	301	1	347	'
396	كا	413	پ	434	قی	356	B	353	v	513	m	302	2	458	"
397	/	414	و	435	ن	357	C	354	x	514	n	303	3	459	"
398	لا	415	ث	436	ہ	358	I	454	y	515	o	304	4	460	'
399	لا	416	د	437	ک	450	L	501	a	516	p	305	5	461	"
400	و	417	ہ	438	ج	359	v	502	b	517	q	306	6	462	°
401	و	419	**	439	ک	360	X	503	c	518	r	307	7	423	+
402	و	422	Th.Sp.	440	ج	349	a	504	d	519	s	308	8	431	minus
403	و	424	.	441	ن	350	b	505	e	520	t	309	9	420	×
404	و	425	figdash	442	ن	351	c	506	f	521	u	310	0	421	=
405	و	426	ہی	443	ج	456	e	507	g	522	v	324	\$	463	÷
407	لا	427	ہی	444	ا	352	i	508	h	523	w	325	£	361	@
408	ی	428	§	445	ا	451	n	509	i	524	x	326	,	362	%
409	;	429	گ	446	[	452	o	510	j	525	y	327	.	418	‰
410	؛	430	پر	447	]										

## Arabic

14 Point (14△67)

Code word, IGSI

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي من عجائب الاختراء ٥٤٣٢١

18 Point (18△207)

Code word, IGTO

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي من عجا ٥٤٣٢١

22 Point (22△1)

Code word, IGUV

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي من عجا ٥٤٣٢١

24 Point (24△145)

Code word, IGUN

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) ٥٤٣٢١

26 Point (26△1)

Code word, IGUV

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي ٥٤٣٢١

## Arabic Bold

14 Point (14△83)

Code word, ZIPVO

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الجروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي من ٥٤٣٢١

## Arabic Old Style

14 Point (14△89)

Code word, ZIPYE

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي من عجائب الاختراعات ٥٤٣٢١

18 Point (18△253)

Code word, ZIPZI

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي من عجا ٥٤٣٢١

24 Point (24△217)

Code word, ZIRAD

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) ٥٤٣٢١

## Arabic Bold Old Style

14 Point (14△91)

Code word, ZIRAK

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي من عجائب الاختراعا ٥٤٣٢١

18 Point (18△261)

Code word, ZIRAR

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم (لينوتيب) هي ٥٤٣٢١

24 Point (24△221)

Code word, ZIRBI

ان المنضدة العربية او ماكنة صف الحروف المعروفة باسم ٥٤٣٢١



## Bengali

10 Point Light and Bold (10△420)

Code word, ZEMIK

যদি এমন ভাবে বঙ্গভাষার সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে অপরাপর ভাষার ১২৩৪৫  
যদি এমন ভাবে বঙ্গভাষার সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে অপরাপর ভাষার ১২৩৪৫

12 Point Light and Bold (12△432)

Code word, ZIRDU

যদি এমন ভাবে বঙ্গভাষার সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে ১২৩৪৫  
যদি এমন ভাবে বঙ্গভাষার সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে ১২৩৪৫

10 Point No. 2 with Bold Face No. 2 (10△464)

Code word, ZIPMI

নিম্নোক্ত অক্ষরগুলি সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে অপরাপর ভাষার ১২৩৪৫  
নিম্নোক্ত অক্ষরগুলি সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে অপরাপর ভাষার ১২৩৪৫

11 Point No. 2 with Bold Face No. 2 (11△136)

Code word, ZIPNO

নিম্নোক্ত অক্ষরগুলি সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে অপরাপর ভাষার ১২৩৪৫  
নিম্নোক্ত অক্ষরগুলি সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে অপরাপর ভাষার ১২৩৪৫

12 Point No. 2 with Bold Face No. 2 (12△472)

Code word, ZIMFO

যদি এমন ভাবে বঙ্গভাষার সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে ১২৩৪৫  
যদি এমন ভাবে বঙ্গভাষার সম্পদ, বৃদ্ধি করা যায় যে, সম্পূর্ণরূপে মানুষ হইতে হইলে ১২৩৪৫

## Gujarati

12 Point (12△169)

Code word, ZEKTA

આપનાના મંગળામાં બહુ, પ્રસિધ્ધિમાં આ વંદા મી. જાવજી રાજગુણી મુખ્ય કોઈપણ ગુણગતી સંસ્કૃત ૧૨૩૪૫

## Tamil

10 Point Light and Bold (10△480)

Code word, ZILIH

நளவருதைமீ உசல சோமவாரம்தைபூசத்தன் றுநெல்சன் கம்பெனியைந் தொடங்க ௭ 12345  
நளவருதைமீ உசல சோமவாரம்தைபூசத்தன் றுநெல்சன் கம்பெனியைந் தொடங்க ௭ 12345

12 Point Light and Bold (12△446)

Code word, ZIRCO

நளவருதைமீ உசல சோமவாரம்தைபூசத்தன் றுநெல்சன் கம்பெனியைந் 12345  
நளவருதைமீ உசல சோமவாரம்தைபூசத்தன் றுநெல்சன் கம்பெனியைந் 12345

## Devanagari

14 Point Light and Bold (14△224)

Code word, ZENIS

भाषाविज्ञान आदि विद्याओं से इस बात का निर्णय हो चुका है कि इस पृथ्वी पर जितनी सभ्य जातियां १२३४५  
भाषाविज्ञान आदि विद्याओं से इस बात का निर्णय हो चुका है कि इस पृथ्वी पर जितनी सभ्य जातियां १२३४५

भाषाविज्ञान आदि विद्याओं से इस बात का निर्णय हो चुका है कि इस पृथ्वी पर जितनी सभ्य जातियां पायी जाती हैं उनमें बहुत सी एक ही जाति से निकली हैं। ईरानी, यूनानी, रोमन, जर्मन तथा रूस आदि सब जातियां इनके अन्तर्गत हैं। आर्यजाति से निकली हुई जातियों की भाषाओं में एक विशेष प्रकार की समानता पायी जाती है। शब्दों के रूप का आदि स्थान एक ही है, विशेष प्रयोग के समस्त शब्द और संख्या के शब्द भी एक से ही हैं। इनके अतिरिक्त उन भाषाओं के व्याकरण की रचना भी एक सी ही है। कर्त्ता, कर्म, क्रिया, विभक्तियां आदि सब में पायी जाती हैं। एक वचन, द्विवचन और बहुवचन, संस्कृत, लातीनी और यूनानी में प्रायः एक समान पाये जाते हैं। यह क्यों ? इसलिये कि इन भाषाओं का आदि स्थान एक ही है। यदि ये भाषाएं एक दूसरी के प्रभाव के बिना बनी होतीं तो इतनी समानता कैसे हो सकती थी ? चीनी और ब्राह्मी भाषाओं में किसी प्रकार का व्याकरण नहीं पाया जाता।

इससे प्रकट होता है कि एक काल था जब कि इन समस्त जातियों के पूर्वज एक ही स्थान पर रहते और एक ही भाषा बोलते थे। उसी स्थान पर मानवसृष्टि का आरम्भ हुआ। काल व्यतीत होने पर जब लोक-संख्या बढ़नी आरम्भ हुई तो इस जाति की शाखाएं निकल निकल कर भिन्न भिन्न दिशाओं की ओर चली गयीं और आगे बढ़कर जहां स्थान उत्तम देखा वहीं निवास करने लगीं।

जलवायु के परिवर्तन से भाषा के शब्दोच्चारण में भी अन्तर होता गया। यह आरम्भिक उत्पत्ति का स्थान कहां था ? इस पर कई भिन्न भिन्न मत हैं। एक मत तो यह है कि मध्य-एशिया के मैदानों में ही मनुष्य का प्रथम निवास था। दूसरा मत यह है कि पहले त्रिविष्टप (तिब्बत) में ही मनुष्य की उत्पत्ति हुई। यह सिद्धान्त आर्यसमाज का है। हमारा इससे कोई सम्बन्ध नहीं कि वह स्थान कहां था। हमारा काम केवल यह बताना है कि आर्यजाति की शाखाएं एक ही स्थान से निकली हैं। इसी प्रकार भाषा के सम्बन्ध में भी यह निश्चय नहीं किया जा सकता कि वह कौन सी भाषा थी जिससे आर्यजाति के पूर्वज लोग बोला करते थे। केवल इतना ही ज्ञात हो सका है कि वह मूल भाषा वैदिक भाषा के साथ सब से अधिक मिलती थी।

सब प्रकार के ज्ञान का भण्डार भाषा ही है। पहले भाषा बनती है, उसके उपरान्त उसमें ज्ञान का आरम्भ होता है। ज्ञान के धीरे धीरे बढ़ने से सभ्यता का आरम्भ होता है। इसमें कुछ सन्देह नहीं कि जब आर्यजाति की शाखाएं विलग होनी आरम्भ हुईं तो उस समय सभ्यता का आरम्भ हो चुका था। संख्यावाचक शब्द प्रयुक्त होने लगे थे। ईश्वर का विचार भी उन्नत हो चुका था क्योंकि भिन्न भिन्न आर्यजातियों में ईश्वर के लिये जो शब्द हैं वे 'दिव' धातु से निकले शब्द "Deity, divine" यूनानी Theos आदि इस बात के साक्षी हैं। कन्या के लिये, आंग्ल शब्द Daughter, फारसी दुखतर और संस्कृत दुहित में कैसे समानता पायी जाती है ? कृषि की रीति भी प्रारम्भ हो चुकी थी और ये लोग गाँवों